चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

न्यूज़लेटर

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने एचएयू के एबीक सेंटर को सर्वश्रेष्ठ कार्यों के लिए कुलपति को प्रदान किया प्रशस्ति पत्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर (एबीक) के कृषि व कृषि से संबंधित स्वउद्यमियों के विकास की दिशा में किए जा रहे श्रेष्ठ कार्यों के लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। नाबार्ड द्वारा आयोजित स्टेट क्रेडिट सेमिनार में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर कृषि मंत्री श्री जे.पी. दलाल तथा चीफ प्रिंसीपल सेक्रेटरी श्री डी.पी. ढेसी, एसीएस फाइनेंस श्री टीवीएसएन प्रसाद, एसीएस एग्रीकल्चर डॉ. सुमीता मिश्रा, क्षेत्रीय डायरेक्टर भारतीय रिजर्व बैंक श्री एमके मॉल व सी.जी.एम. नाबार्ड श्रीमती दीपा गुहा भी उपस्थित थे। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के नेतृत्व में पिछले ढाई वर्षो में कुल 104 स्टार्टअप्स को प्रशिक्षण व इनक्यूबेशन की मदद से 65 कंपनी रजिस्टर की गई हैं, जिनमें से 27 इनक्यूबेटि को तीन करोड़ 15 लाख की अनुदान राशि मिल चुकी है। इन स्टार्टअप्स का कुल टर्नओवर 26 करोड़ है व ये स्टार्टअप्स ढाई सौ से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान कर चुके हैं। नाबार्ड की ओर से 11.74 करोड़ की ग्रांट से बने इस इनक्यूबेशन सेंटर ने कृषि मंत्रालय भारत सरकार से भी 2.33 करोड़ की ग्रांट राशि प्राप्त की है। इस एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार युवाओं, छात्रों, किसानों और कृषि उद्यमियों को स्वरोजगार स्थापित करने में सक्षम बनाना और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर मुहैया करवाना है।

कुलपति ने कहा कि यह केंद्र न केवल चयनित स्टार्ट अप्स को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है बल्कि जरूरत के अनुसार उन्हें आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने में भी मदद कर रहा है। इसके साथ-साथ युवाओं व किसानों को उनके उत्पाद की प्रोसेसिंग, मूल्य संवर्धन, पैकेजिंग, सर्विसिंग व ब्रांडिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए भी मार्गदर्शन करता है ताकि वे अपने व्यवसाय को अच्छे से स्थापित कर सकें। किसान को खुद का व्यवसाय खड़ा करने के लिए कंपनी बनाना, लाइसेंस लेना, उनके नवाचार को पेटेंट प्रदान करने व उत्पाद को मार्केट में बेचने में सहयोग देना भी इसके उद्देश्यों में शामिल है।

अंतर्वस्तु

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने विभिन्न परियोजनाओं का किया उद्घाटन 2
कृषि मेले का सफल आयोजन: हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान हुए शामिल 3
हकृवि में हरियाणा की पहली स्पीड ब्रीडिंग और माइक्रोमेटेरोलॉजी लैब का शिक्षामंत्री द्वारा उद्घाटन 4
हकृवि के बाजरा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड 4
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने किया पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र का शिलान्यास 5
कपास उत्पादन राज्यों के वैज्ञानिकों व कंपनी प्रतिनिधियों ने गुलाबी सुंडी के प्रकोप पर की समीक्षा 6
एचएयू के 53वां स्थापना दिवस पर री-सर्कुलिंग एक्वा कल्चर सिस्टम की रखी आधारशिला 6
हकृवि में फल व सब्जी परीक्षण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 7
कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया सब्जी-बीज प्रसंस्करण केन्द्र का उद्घाटन 7
हकृवि ने किसानों को सरसों की उन्नत किस्मों का बीज पहुंचाने के लिए नामी कंपनी के साथ किया समझौता 7
स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने हेतू एचएयू के एबिक सेंटर व यस बैंक के बीच द्विपक्षीय समझौता 8
संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रशिक्षण में सहभागिता 8
क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र समाचार 9
संक्षिप्त समाचार 10-11

संरक्षक
प्रो. बी.आर. काम्बोज
कुलपति

संपादक
डॉ. संदीप आर्य
मीडिया सलाहकार

मुख्य संपादक
अनुसंधान निदेशक

University Publication No.
CCSHAU/PUB#18-0026-2022-12-1

मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने डॉ. मंगलसेन कृषि विज्ञान संग्रहालय, वर्चुअल कृषि परामर्श सेवा और खिलाड़ियो के लिए मल्टी पर्पज हॉल व काम्बैट हॉल का किया उद्घाटन

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने 26 मार्च को विश्वविद्यालय का दौरा किया और विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की अगुवाई में उन्होंने कृषि विज्ञान एवं हरियाणवी संस्कृति को दर्शाने वाले डॉ. मंगलसेन कृषि संग्रहालय का उद्घाटन किया। यह संग्राहलय विश्वविद्यालय की विशिष्ट उपलब्धियों, कृषि व किसान हितैषी शोध व हरियाणा की सांस्कृतिक धरोहर को संजोए हुए है और भावी नागरिकों के लिए ज्ञान का अद्भुत स्त्रोत है।

मुख्यमंत्री ने किसान व पशुपालक हित को सर्वोपरि मानते हुए वर्चुअल कृषि समाधान सेवा का शुभारंभ किया। कुलपति ने किसानों की टोल फ्री हेल्पलाइन सेवा पर आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इस वर्चुअल सेवा को शुरू किया है।

इस दौरान मुख्यमंत्री जी के साथ कृषि मंत्री श्री जे.पी. दलाल, निकाय मंत्री डॉ. कमल गुप्ता, डिप्टी स्पीकर श्री रणबीर गंगवा, कैप्टन भूपेन्द्र, विधायक विनोद भयाना और विश्वविद्यालय के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

तदोपरांत, मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया स्कीम के तहत नवनिर्मित मदल लाल ढींगरा मल्टी पर्पज हॉल व काम्बैट हॉल का उद्घाटन किया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विद्यार्थियों के शारीरिक व मानसिक विकास में खेलों का अहम योगदान है। केन्द्रीय खेल मंत्रालय से प्राप्त 8 करोड़ की अनुदान राशि से निमार्णित इस वातानुकुलित हॉल में लगभग सभी इंडोर खेलों का आयोजन हो सकता है और यहां मौजूद विभिन्न सुविधाएं खिलाड़ियों के प्रदर्शन को सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान देगी। इसके साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं से परिपूर्ण काम्बैट हॉल में 600 से अधिक दर्शकगण बैठकर खिलाड़ियो को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

कृषि मेले का सफल आयोजन: हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान हुए शामिल

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कृषि मेला (खरीफ) का सफल आयोजन किया गया। मेले का मुख्य विषय 'प्राकृतिक खेती' रहा। मेले के शुभारंभ अवसर पर महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. नरेन्द्र सिंह राठौर ने बतौर मुख्यातिथि अपने संबोधन में कहा कि कीटनाशकों के प्रभावों का पर्यावरण व मानव स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती को जहरयुक्त खान पान का विकल्प बताया। लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा व महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय (एमएचयू) के कुलपति प्रो. समर सिंह विशिष्ट अतिथि थे जबकि अध्यक्षता एचएयू के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने की।

मेले के समापन समारोह में बतौर मुख्यातिथि हरियाणा के कृषि मंत्री श्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि प्राकृतिक खेती फसल व पर्यावरण दोनों के लिए फायदेमंद हैं। प्राकृतिक खेती कृषि की एक प्राचीन पद्धति है। कृषि रसायनों के अत्याधिक उपयोग से अनाज के साथ-साथ पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है और इसका असर मानव जाति के स्वास्थ्य पर साफ दिख रहा है। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तकों का भी विमोचन किया।

सुरक्षित पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण: प्रो. बी.आर. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर किसान हित के लिए प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित करता आया है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय सभी गांवों के किसानों से जुड़ा हुआ है और एक क्लिक से ही फसल व मौसम संबंधित जानकारी किसानों तक पहुंचा रहा है। वैज्ञानिक किसान को कृषि की नवीनतम प्रौद्योगिकी की जानकारी और कृषि संबंधी समस्याओं का हल प्रदान करते हैं।

कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी रही मेले का मुख्य आकर्षण

कृषि मेले में विभिन्न प्रकार के 230 स्टॉल लगाए गए जिन पर विश्वविद्यालय, गैर सरकारी एजेंसियों व मल्टीनेशनल कंपनियों द्वारा कृषि मशीनें, यंत्र और प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया गया। कृषि मेला के संयोजक विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि किसानों ने खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत फसल किस्म, प्रमाणित बीज, मिट्टी पानी जांच व कृषि साहित्य जैसी सुविधाओं का प्रयोग किया। कृषि मेला के दौरान प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। इस दौरान हरियाणा व पड़ोसी राज्यों के 45 हजार किसान मौजूद थे।

हकृवि में हरियाणा की पहली स्पीड ब्रीडिंग और माइक्रोमेटेरोलॉजी लैब का शिक्षामंत्री श्री कंवर पाल द्वारा उद्घाटन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा - कृषि विश्वविद्यालय में हरियाणा खेती के लिए उपयुक्त फसलों में उन्नत पौध प्रजनन सामग्री के तीव्र उत्पादन हेतु हाई टैक स्पीड ब्रीडिंग व माइक्रोमेटेरोलॉजी लैब का शिक्षा मंत्री श्री कंवर पाल ने उद्घाटन किया। इन कार्यशालाओं में स्पीड ब्रीडिंग से तीन-चार साल में ही नई किस्म बनाई जा सकती है। शिक्षा मंत्री ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के चहुंमुखी विकास की सराहना की।

तकनीकों से किसानों व विद्यार्थियों को मिलेगा लाभः प्रो. बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस अवसर पर कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में फसलों पर विभिन्न प्रकार के जैविक व अजैविक तनावों में वृद्धि हुई है। माइक्रोमेटेरोलॉजी लैब अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है और फसलों पर मौसम के प्रभाव का आकलन कर भविष्य में होने वाली गतिविधियों के बारे में सचेत करेगी। यह किसानों के साथ साथ विद्यार्थियों के प्रयोगात्मक अध्ययन में भी फायदेमंद होगी।

हकृवि के बाजरा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र अवार्ड

भारतीय - कृषि अनुसन्धान परिषद् (भा.कृ.अनु.प.), नई दिल्ली द्वारा अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना की 57वीं वार्षिक समूह बैठक में परिषद के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र द्वारा हकृवि के बाजरा अनुभाग को बाजरा में उत्कृष्ट अनुसंधानों के लिए 2021-22 का राष्ट्रीय अवार्ड प्रदान किया। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि बाजरा अनुभाग ने हाल ही के वर्षों में बाजरा की उन्नत किस्मों के विकास, नए रोगकारक की पहचान, संकर बीज उत्पादन व व्यवसायीकरण में सराहनीय कार्य किए हैं।

इस अनुभाग ने हाल ही में बाजरा की उच्च लौह तत्व युक्त दो बायो-फोर्टिफाइड (दानों में लौह तत्व 73-83 पीपीएम) संकर किस्मों एचएचबी 299 व एचएचबी 311 के विकास के साथ दिसंबर 2021 में यहां विकसित की गई आण्विक चिन्हों की सहायता से चयनित बेहतर बाजरा ईडीवी संकर एचएचबी 67 संशोधित-2 किस्म, जिसमें इसके पुराने संस्करण एचएचबी 67 संशोधित की तुलना में बेहतर डाउनी मिलडयू फफूंदी प्रतिरोधक क्षमता है, का अनुमोदन हुआ है।

वैज्ञानिकों को दी बधाई

कुलपति ने सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केन्द्र अवार्ड प्राप्त करने पर डॉ. अनिल कुमार (अध्यक्ष, बाजरा अनुभाग), डॉ.एस.के. पाहुजा (विभागाध्यक्ष, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग व डीन, कृषि महाविद्यालय, हिसार), एल.के. चुघ, देव व्रत, के.डी. सहरावत, विनोद कुमार, अशोक डहिनवाल, नीरज खरोड, एस.एस. यादव, वीनू सांगवान, मुकेश कुमार, राव पंकज और धर्मेंद्र कुमार की उनके योगदान के लिए सराहना की।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने किया पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र का शिलान्यास

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का उद्देश्य भारत के नागरिकों के लिए बेहतर गुणवत्ता के खाद्यान्न को कम कीमत पर उपलब्ध कराना और खाद्य व पोषणिक सुरक्षा प्रदान करना है। इस मिशन को पूरा करने के लिए हकृवि में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जय प्रकाश दलाल ने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र का शिलान्यास किया। गोकलपुरा गांव में 63 एकड़ भूमि पर बनने वाला यह केन्द्र बरानी फसलों के लिए उन्नत कृषि प्रौद्योगिकी विकसित करके किसानों के लिए वरदान साबित होगा।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने विश्वविद्यालय द्वारा मोटे पौष्टिक अनाज विशेषकर बाजरा पर किए अनुसंधान की प्रशंसा की। मोटे अनाजों को अन्य प्रमुख फसलों जैसे गेंहू, मक्का व चावल की तुलना में कम उपजाऊ भूमि एवं कम पानी के साथ आसानी से उगाया जा सकता है। मोटे अनाजों में वसा, फाइबर और खनिजों की अधिकता होती है और इनका उचित मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण इसकी मांग को निश्चित रूप से बढ़ा सकता है। भारत सरकार ने इन फसलों को बढ़ावा देने के लिए बाजरा को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अभिन्न अंग के रूप में शामिल किया है। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि पोषण अनुसंधान की स्थापना निश्चित रूप से बाजरा जैसे पोषक अनाजों पर अनुसंधानों को नई गति और दिशा प्रदान करेगा। यह केन्द्र मुख्यत: पोषक अनाज की उच्च पैदावार वाली व कीट प्रतिरोधी उन्नत किस्मों के विकास, कृषि पद्धतियों, विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध जर्मप्लाज्म का संग्रहण, बाजरा के प्रसंस्करण व मूल्यवर्धन और किसानों के उद्यमिता विकास जैसे क्षेत्रों पर कार्य करेगा। यह केन्द्र किसान केन्द्रित कदमों के साथ बरानी क्षेत्रों के किसानों की आमदनी को बढ़ाने में एक अहम भूमिका निभाएगा। इस अनुसंधान केन्द्र में एक क्षेत्रीय केन्द्र परिसर, आवासीय परिसर, किसान छात्रावास, कार्यालय, सम्मेलन कक्ष, प्रयोगशाला व व्याख्यान कक्ष का निर्माण किया जाएगा। अनुसंधान निदेशक डॉ. रामनिवास ढांडा ने बताया कि यह केन्द्र दक्षिण हरियाणा में किसानों की समृद्धि के साथ-साथ युवाओं को भी नए रोजगार के अवसर प्रदान करेगा।

हकृवि में कपास उत्पादन राज्यों के वैज्ञानिकों, कृषि अधिकारियों, किसानों व कंपनी प्रतिनिधियों ने गुलाबी सुंडी के प्रकोप पर की समीक्षा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अनुसंधान निदेशालय द्वारा आयोजित गुलाबी सुंडी समीक्षा बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कपास की फसल में गुलाबी सुंडी की समस्या के समाधान हेतु ठोस कदम उठाने होंगे। फसल में गुलाबी सुंडी के नियंत्रण हेतु वैज्ञानिकों को प्रबंधन के कारगर उपाय खोजने होंगे ताकि किसानों को आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। उन्होंने किसानों की समस्याओं का उनके खेतों में समाधान करने व इन अनुसंधानों के लिए सभी सुविधाएं देने का आश्वासन दिया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि विश्वविद्यालय गुलाबी सुंडी की रोकथाम के लिए जागरूकता कार्यक्रम, प्रशिक्षण कार्यक्रम और किसान गोष्ठियां आयोजित करता है। बैठक में कृषि अनुसंधान केन्द्र, भटिंडा के निदेशक डॉ. परमजीत सिंह, केन्द्रीय कपास अनुसंधान के अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र वर्मा व अनुसंधान केन्द्र गंगानगर के कीट वैज्ञानिक डॉ. रूप सिंह मीणा ने अपने-अपने राज्यों में गुलाबी सुंडी के प्रबंधन के लिए किए कार्यों की जानकारी दी।

संयुक्त निदेशक कपास, कृषि विभाग डॉ. आर.पी. सिहाग ने गुलाबी सुंडी के नियंत्रण के लिए किए गए कार्यों से अवगत कराया। प्राइवेट कंपनियों द्वारा गुलाबी सुंडी प्रबंधन हेतु बनाए गए डिस्प्ले बोर्ड को सभी बीज दुकानों, कपास जिनिंग मिलों व खल मिलों में लगवाने की सलाह दी गई। बैठक में विभिन्न जिलों से आए किसानों की कपास की फसल में आ रही समस्याओं का कृषि वैज्ञानिकों ने तसल्लीपूर्वक निदान किया।

एचएयू के 53वां स्थापना दिवस पर री-सर्कुलिंग एक्वा कल्चर सिस्टम की रखी आधारशिला, पुस्तक प्रदर्शनी व कार्यशाला का आयोजन

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 53वें स्थापना दिवस पर कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने चौधरी चरण सिंह व ताऊ देवीलाल की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया। स्थापना दिवस के अवसर पर प्रो. काम्बोज ने री-सर्कुलिंग एक्वा कल्चर सिस्टम की आधारशिला रखी। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के नेहरू पुस्तकालय में दो दिवसीय कार्यशाला व इनकम टैक्स पर कार्यशाला का शुभारंभ भी किया। उन्होंने कहा कि पुस्तक अध्ययन से इंसान को मानसिक व आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त होता है। इस पुस्तक प्रदर्शनी में कृषि, सहायक विज्ञान, गृह विज्ञान, खाद्य तकनीक, नैनो टैक्नॉलोजी, मत्स्य विज्ञान, प्रतियोगिता व सामान्य ज्ञान की करीब सात हजार पुस्तकों को शामिल किया गया।

इस अवसर पर कुलपति कार्यालय में इनकम टैक्स कार्यशाला भी आयोजित की गई। इस कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रो. काम्बोज ने कहा कि सभी कर्मचारियों को इनकम टैक्स संबंधित पूर्ण जानकारी होनी चाहिए ताकि कर्मचारी वेतन व अन्य बिल पर सही आयकर गणना कर सकें। कार्यशाला में वरिष्ठ चार्टड एकाउंटेंट राम निवास अग्रवाल ने इनकम टैक्स संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी सभी प्रतिभागियों से सांझा की।

हकृवि में फल व सब्जी परीक्षण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण व शिक्षण संस्थान द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत फल व सब्जी परीक्षण पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती संतोष कुमारी बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रही। उन्होंने महिला सशक्तिकरण व कौशल विकास पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को छोटे-छोटे उद्यम समूह बनाकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना चाहिए। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अनुसूचित जाति व जनजाति की महिलाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए प्रेरित व मार्गदर्शन हेतु आयोजित किया गया था।

उत्पादों के विपणन के दिए टिप्स

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न फल-सब्जियों से जैम, जैली, कैंडी, मुरब्बा, अचार, सूप, चटनी, लड्डू इत्यादि बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में उत्पादों के भण्डारण, अवशेष प्रबंधन व पानी के उचित प्रयोग पर भी मार्गदर्शन किया गया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया सब्जी-बीज प्रसंस्करण केन्द्र का उद्घाटन

एचएयू के सब्जी विज्ञान विभाग में नवनिर्मित ''सब्जी बीज प्रसंस्करण केन्द्र'' का कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने उद्घाटन किया। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित सब्जी किस्मों की बढ़ती मांग को सुचारू रूप से पूरा करने में यह सब्जी बीज प्रसंस्करण प्लांट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केन्द्र सरकार की ''मिशन ऑन इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हार्टिकल्चर योजना के तहत 38.25 लाख रूपए की लागत से यह बीज प्रसंस्करण केन्द्र बनाया गया है। यहां एग्रोशा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी द्वारा निर्मित" यांत्रिक बीज प्रसंस्करण प्लांट से एक घंटे में 500 किलोग्राम बीज की साफ-सफाई और ग्रेडिंग की जा सकती है।

अधिक उत्पादन के लिए गुणवत्ता बीज की आवश्यकता

अनुसंधान निदेशक डॉ. रामनिवास ने कहा कि बीज की बेहतर गुणवत्ता सीधे तौर पर उत्पादन व पैदावार को बढ़ाती है। विभागाध्यक्ष डॉ. अरूण कुमार भाटिया ने बताया कि सब्जी विभाग किचन गार्डनिंग पैकेट के माध्यम से प्रदेश के किसानों को सब्जी फसलों का बीज उपलब्ध कराता है। बीज प्रसंस्करण केन्द्र की सहायता से विभाग प्रदेश के किसानों की बढ़ती मांग को पूरा कर सकेगा।

हकृवि ने किसानों को सरसों की उन्नत किस्मों का बीज पहुंचाने के लिए नामी कंपनी के साथ किया समझौता

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्मों के बीज व तकनीक उचित समय पर उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान की ग्रीन स्पेस एग्री प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के साथ समझौता किया गया है। इससे पहले भी महाराष्ट्र की एग्रो स्टार कंपनी के साथ सरसों की किस्म आरएच 725 के लिए समझौता हुआ है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. रामनिवास व कंपनी निदेशक विजय यादव ने कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की मौजूदगी में समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा, तिलहन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव, एसवीसी कपिल अरोड़ा, और सहायक निदेशक डॉ. विनोद कुमार आदि मौजूद रहे।

किसानों में बढ़ी आरएच 725 बीज की मांग

हकृवि द्वारा विकसित सरसों की उन्नत किस्म आरएच 725 की अधिक तेल मात्रा व पैदावार के कारण किसानों में लगातार मांग बढ़ रही है। इस किस्म की फलियां लंबी, बड़ी व अधिक दानों होने से तेल भी ज्यादा निकलता है। विश्वविद्यालय द्वारा किया समझौता किसानों को बीज सही समय पर उपलब्ध कराने में कारगर होगा।

स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने हेतु एचएयू के एबिक सेंटर व यस बैंक के बीच द्विपक्षीय समझौता

एचएयू में स्थित एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर व यस बैंक के मध्य इंटरप्रेन्योर्स व स्टार्टअप्स को ध्यान में रखते हुए द्विपक्षीय समझौता किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि इस समझौते के तहत स्टार्टअप्स को स्थापित करने व आगे बढ़ाने में आ रही वित्तीय बाधाओं को दूर किया जा सकेगा। इस स्टार्टअप्स को मेंटरिंग के साथ-साथ प्रपोजल को लोन सुविधा भी आसानी से मिल सकती है। यस बैंक स्टार्टअप व कृषि संबंधित इंटरप्रेन्योर्स को वित्तीय साक्षरता की मदद से सुदृढ़ व्यापार स्थापित करने में अहम योगदान देगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज की उपस्थिति में समझौता ज्ञापर पर हस्ताक्षर हुए। इस अवसर पर ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, यस बैंक से नेशनल हेड अर्जुन कृष्णन, सिमरन और वाइस प्रेसिडेंट अमनदीप सिंह, एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर से सीईओ मनीषा मणि, बिजनेस मैनेजर विक्रम सिंधु, टैक्नीकल मैनेजर अर्पित तनेजा, एडमिनिस्ट्रेटिव मैनेजर डॉ. निशा मलिक फोगाट, कस्टमर केयर मैनेजर ट्विंकल मंगल और बिजनेस एग्जीक्युटिव राहुल दुहन उपस्थित रहे।

संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रशिक्षण में सहभागिता

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कीट विज्ञान विभाग ने वैज्ञानिकों के लिए 25 जनवरी से 3 फरवरी तक पोषण और आर्थिक सुरक्षा के लिए मधुमक्खी कॉलोनियों के वैज्ञानिक प्रबंधन के लिए दस दिवसीय लघु पाठ्यक्रम का आयोजन किया।
- डॉ. ओ.पी. बिश्नोई, सहायक वैज्ञानिक ने गेंहू फसल प्रबंधन पर फोन-इन कार्यक्रम में 8 जनवरी को ऑल इंडिया रेडियो स्टेशन, हिसारी में भाग लिया और किसान भाइयों के साथ गेंहू फसल के बारे में चर्चा की।
- डॉ. रेणु मुजाल, प्रमुख वैज्ञानिक ने 15 जनवरी को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित निम्न और उच्च तापमान तनाव के लिए फसल सहनशीलता में एक वार्ता दी।
- डॉ. पम्मी कुमारी, डॉ. सतपाल, डॉ. नीरज खरोड़ और डॉ. बी.एल. शर्मा ने डेटा प्रबंधन पर एक प्रशिक्षण में भाग लिया। यह प्रशिक्षण कृषि जैव विविधता (सीआरपी-एबी) पर कंसोर्टियम रिसर्च प्लेटफॉर्म और आईसीएआर-भारतीय बाजरा अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर), हैदराबाद द्वारा 3-5 मार्च तक आयोजित किया गया।
- डॉ. अमिता गिरधर, व्यवसाय प्रबंधन विभाग ने गणित और सांख्यिकी विभाग, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और हरियाणा में मधुमक्खी पालन की लागत और रिटर्न के अनुमान पर पेपर प्रस्तुत किया। यह राष्ट्रीय सम्मेलन 22 फरवरी को आयोजित किया गया तथा कृषि अनुसंधान के लिए गणित विज्ञान इसका मुख्य विषय था।
- डॉ. सुबोध अग्रवाल ने 24 से 26 मार्च तक एसकेएयूएसटी, श्रीनगर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय था: मौसम और जलवायु जोखिम का प्रबंधन, जलवायु परिवर्तनशीलता और अनिश्चितता के लिए फसलों को अपनाना।
- डॉ. अमिता ने आरकेवीवाई-रफतार योजना, कृषि और किसान मंत्रालय, भारत सरकार के तहत कृषि उद्यमिता अभिविन्यास कार्यक्रम "पहल" और इनक्यूबेशनल प्रोग्राम "सफल" 2021-22 में इनक्यूबेटस को "एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण" पर 5 फरवरी को व्याख्यान दिया।
- डॉ. सरदुल सिंह मान (जिला विस्तार विशेषज्ञ, सूत्रकृमी विभाग) और डॉ. विनोद कुमार, भारतीय फाइटो-पैथोलॉजिकल सोसाइटी और प्लांट पैथोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित 10 मार्च को राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- सब्जी विज्ञान विभाग ने 17,19 और 21 मार्च को "आलू की उत्पादन तकनीक" पर तीन

किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सब्जी विज्ञान विभाग ने "मसालों की उत्पादन तकनीक" पर 11 मार्च और 30 मार्च को दो किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम (सामान्य और एससीएसपी) का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

- कृषि मौसम विज्ञान विभाग ने 25 से 27 फरवरी तक "राज्य पशुधन वितरण" भिवानी में मौसम परामर्श के लिए किसानों की जागरूकता और पंजीकरण के लिए एक स्टॉल का आयोजन किया।
- कृषि अर्थशास्त्र विभाग से डॉ. दलीप कुमार बिश्नोई और डॉ. मोनिका ने आईसीएआर-एनआईएपी, नई दिल्ली द्वारा 5 से 25 फरवरी तक आयोजित 21 दिनों के शीतकालीन स्कूल प्रशिक्षण में भाग लिया जिसका शीर्षक "कृषि में निर्णय लेने के लिए विश्लेषणात्मक तकनीक" था।
- नेहरू पुस्कालय ने 2-3 फरवरी तक विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया। नेहरू पुस्तकालय ने 7 मार्च को एक दिवसीय ऑनलाइन संवेदीकरण प्रशिक्षण का आयोजन किया जिसका शीर्षक था: कृषि कौशल को मजबूत करने के लिए डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग। नेहरू पुस्तकालय ने 2-29 मार्च तक विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के लिए स्कोपस साइटेशन और इंडेक्सिंग डेटाबेस और अन्य ई-संसाधनों के बारे में जागरूकता और उपयोग पर कार्यशाला का आयोजन किया।
- डॉ. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. दलीप बिश्नोई, डॉ. अतुल ढींगड़ा और डॉ. प्रवीण कुमार ने एक तकनीकी रिपोर्ट प्रकाशित की जिसका शीर्षक था: परियोजना के तहत आलू पर कमोडिटी रिपोर्ट। यह रिपोर्ट एनएएसएफ-आईसीएआर द्वारा वित्त पोषित "भारतीय कृषि के आर्थिक विकास पर ई-राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) के कारण और परिणाम एक केस स्टडी'' परियोजना के तहत प्रकाशित की गई।
- आरआरएस, बावल के डॉ. नरेश यादव और डॉ. मनोज कुमार, ने 29-30 मार्च तक कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर में भारतीय फाइटोपैथोलॉजी सोसायटी सम्मेलन में भाग लिया और पेपर प्रस्तुत किया व मनोज कुमार को इस सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- आरआरएस, करनाल के डॉ. ओ.पी. चौधरी, डॉ. एम.सी. कंबोज, डॉ. नरेन्द्र सिंह और डॉ. प्रशांत चौहान ने 23-25 फरवरी तक एमपीयूएटी उदयपुर में "संसाधन स्थिरता, औद्योगिक विकास और किसानों की समृद्धि के लिए मक्का" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- आरआरएस, करनाल के डॉ. रमेश कुमार, डॉ. हरबिंदर सिंह ने 24 जनवरी को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, लखनऊ में क्षेत्रीय प्रजनकों और संयंत्र संरक्षण वैज्ञानिकों में हाइब्रिड मोड द्वारा गन्ना पर एआईसीआरपी की बैठक में भाग लिया और आरआरएस, करनाल का डेटा प्रस्तुत किया।
- डॉ. सुधीर शर्मा, आरएसएस, करनाल ने आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 21 दिनों के शीतकालीन स्कूल में "पारंपरिक और आणविक दृष्टिकोणों के माध्यम से प्रमुख खाद्य फसलों के जैव संवर्धन" पर प्रशिक्षण लिया।
- डॉ. नवीन कुमार, आरआरएस, करनाल ने 28 जनवरी से 17 फरवरी तक डायरी एक्सटेंशन डिवीजन, आईसीएआर-एनडीआरआई, करनाल द्वारा आयोजित कृषि विस्तार अनुसंधान में प्रगति पर शीतकालीन स्कूल में भाग लिया।
- डॉ. नरेन्द्र सिंह, डॉ. एम.सी कंबोज, डॉ. ओ.पी. चौधरी, डॉ. के. किरण, डॉ. जगदीश प्रसाद और डॉ. एन. कुमार को 23-25 फरवरी तक उदयपुर में "संसाधन स्थिरता, औद्योगिक विकास और किसानों की समृद्धि के लिए मक्काग" पर राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए सम्मानित किया गया। शोध पत्र का शीर्षक था: पारिस्थितिक गहनता: मक्का आधारित फसल प्रणाली में जलवायु लचीलापन की ओर एक कदम।

क्षेत्रीय अनुंसधान केन्द्र समाचार

सरसों का मेला

कृषि विज्ञान केन्द्र, बावल ने 23 मार्च को सरसों फसल का मेला आयोजित किया जिसमें चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि मौजूद रहे। प्रो. काम्बोज ने राष्ट्रीय स्तर पर सरसों की उच्चतम उत्पादकता प्राप्त करने के लिए दक्षिण पश्चिम हरियाणा विशेष रूप से रेवाड़ी जिलों के किसानों को बधाई दी और मृदा स्वास्थ्य को ध्यान में रख कर फसल विविधीकरण को अपनाने का आहवान किया। इस मेले में 600 से अधिक लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस

क्षेत्रीय अनुसन्धान केंद्र, रोहतक के वैज्ञानिकों ने स्वामी विवेकानंद के जन्मदिन के अवसर पर 12 जनवरी को गांव बहुअकबरपुर के युवाओं के लिए राष्ट्रीय युवा दिवस आयोजित किया। कार्यक्रम का विशेष ध्यान युवाओं और किसानों को कृषि में मूल्यवर्धन के बारे में शिक्षित करना था। डॉ. मीना सहवाग ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए -कृषि उपज के मूल्यवर्धन पर व्याख्यान दिया तथा डॉ. दिलबाग सिंह अहलावत ने मधुमक्खी पालन तकनीक के बारे में बताया। गांव के 28 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

क्षेत्रीय अनुसन्धान केंद्र, रोहतक के वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर 28 फरवरी को गांव संघी के किसानों के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विशेष मुद्दा किसानो को मृदा उर्वरता प्रबंधन के लिए हरी खाद का योगदान के बारे में था। डॉ. दिलबाग सिंह अहलावत ने हरी खाद के फायदों के बारे में जानकारी दी व डॉ. मीना सहवाग ने ग्रीष्म ऋतु मूंग फसल के बारे में जानकारी दी। महिलाओं सहित लगभग 32 प्रतिभागियों ने इस

कार्यक्रम में भाग लिया।

कुलपति का क्षेत्रीय अनुसन्धान केंद्र, करनाल का दौरा

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी. आर काम्बोज ने 3 मार्च को क्षेत्रीय अनुसन्धान केंद्र, करनाल भ्रमण किया तथा वैज्ञानिकों व कर्मचारियों से मुलाकात की। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों से किसानो की मुख्य समस्याओं को ध्यान में रखकर अनुसंधान परियोजना प्रस्तुत करने के अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने जलवायु परिवर्तन और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर नए प्रयोग तैयार करने पर भी जोर दिया। उन्होंने वैज्ञानिक को क्षेत्र की विभिन्न फसलों पर पाक्षिक परामर्श तैयार कर प्रसारित करने तथा विभिन्न रोग, कीट एवं पोषण की कमी पर सर्वेक्षण एवं निगरानी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देशक दिया।

संक्षिप्त समाचार

कृषि महाविद्यालय

- कृषि महाविद्यालय के छात्र अंकुश चौधरी ने अंतर विश्वविद्यालय डिबेट प्रतियोगिता युवा 2022 के राष्ट्र स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। यह प्रतियोगिता गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चरल एवं टेक्नोलॉजी पंतनगर उत्तराखंड में आयोजित की गई। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने इस उपलब्धि पर अंकुश को बधाई दी और कहा कि अंकुश ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में पुरस्कार हासिल कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है।
- अनुवांशिकी एवं प्रजनन विभाग के दलहन अनुभाग के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय दलहन दिवस के उपलक्ष में दलहन फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीकी विषय पर वेबीनार आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि दलहन फसलों से न केवल भूमि की उर्वरक शक्ति में बढ़ोतरी होती है बल्कि जल संरक्षण में भी सहायता मिलती है। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण में भी दलहन फसलों की अहम भूमिका है। साथ ही उन्होंने बताया कि महिलाओं व बच्चों के लिए दालें बहुत ही लाभदायक होती है क्योंकि इन में प्रोटीन की प्रचुर मात्रा होती है जो उनके शारीरिक व मानसिक विकास में सहायक है।
- कृषि महाविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग और कृषि व किसान कल्याण विभाग हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में मिट्टी में सिंचाई जल के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना हर खेत स्वस्थ खेत, सीखो और कमाओ के तहत आयोजित किए गए इन प्रशिक्षण में जिला हिसार, रोहतक, भिवानी, सिरसा, जिला देवास महेन्द्रगढ़, झज्जर के सरकारी स्कूलों तथा कॉलेजों के कुल 55 शिक्षक शामिल हुए। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए और किसानों से कहा कि वे खेत की मिट्टी की जांच अवश्य करवाए, इससे न केवल किसानों द्वारा खेतों में प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक उर्वरकों का खर्च कम होगा बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी होगा।
- कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे शोध कार्यो का विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि कृषि वानिकी में जोखिम कम है इसलिए कम जोत के किसान इसे अपनाकर ना केवल अतिरिक्त आय कमा सकते हैं अपितु पर्यावरण संरक्षण में भी सहयोग कर सकते हैं।
- पौध रोग विज्ञान विभाग ने इंडियन फाइटोपैथोलोजिकल सोसायटी (नार्थजोन) की जैव तर्कसंगत दृष्टिकोण के माध्यम से फसल संरक्षण विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। इस संगोष्ठी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने किया। इस कार्यक्रम में देशभर से 200 से अधिक कृषि वैज्ञानिक और गैर सरकारी उद्योगों के प्रतिनिधि शामिल हुए। कुलपति ने संबोधित करते हुए फसल संरक्षण वैज्ञानिकों से फसलें में लगने वाले रोग, कीट एवं सूत्रकृमि के प्रबंधन के लिए उपयुक्त फसल संरक्षण उपायों पर अधिकाधिक शोध कार्य करने का आहवान किया।

मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय

- मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बतौर मुख्यातिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि विज्ञान ने लोगों के जीवन को सुखद बनाया है। इस मौके पर विशिष्ठ अतिथि कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के रिसर्च एवं डेवल्पमेंट के डीन, डॉ. पवन कुमार शर्मा रहे तथा उन्होंने सतत् भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण पर व्याख्यान दिया।
- गणित एवं सांख्यिकी विभाग ने महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 134वीं जयंती के अवसर पर हरियाणा राज्य विज्ञान, नवाचार एवं प्रौद्योगिकी परिषद के सहयोग से राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे और अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गणित और विज्ञान का एक लंबा और घनिष्ठ संबंध है जो दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि हम गणित का उपयोग कर दुनिया का आसानी से समझ सकते है।
- समाज शास्त्र विभाग की सह-प्रध्यापक डॉ. रश्मि त्यागी को डिस्टिंगविस्ट साइंटिस्ट अवार्ड व डॉ. जतेश काठपालिया को साइंटिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान 28-29 जनवरी को दि सोसायटी फॉर टैक्नोलॉजी, एनवायरमेंट, साइंस एंड पीपल द्वारा आयोजित कांफ्रेंस कालीकट (भारत) में अपने शोध प्रस्तुत करने पर दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

- आणविक जीव विज्ञान, जैव प्रौद्योगिकी और जैव सूचना विज्ञान विभाग ने पारंपरिक और आणविक दृष्टिकोण के माध्यम से मुख्य खाद्य फसलों के जैव फोर्टिफिकेशन विषय पर 21 दिवसीय शीतकालीन स्कूल प्रशिक्षण का आयोजन किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि रहे। इस शीतकालीन स्कूल प्रशिक्षण में अलग-अलग राज्यों के आईसीएआर से सवधित कृषि विश्वविद्यालयों व संस्थानों के कुल 25 उम्मीदवारों ने भाग लिया।

इंदिरा चक्रवर्ती गृह विज्ञान महाविद्यालय

- महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से पोषण अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं व दो दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। सरकार की स्वस्थ बालक-बालिका स्पर्धा सप्ताह के तहत पोषण जागरूकता बढ़ाने के लिए रंगोली, पोस्टर मेकिंग, निबंध लेखन हत्यादि प्रतियोगिताएं ऑनलाइन माध्यम से करवाई गई। इसके अलावा वेबिनार आयोजित किया गया जिसका विषय पोषण के लिए सही दृष्टिकोण: वर्ष) और विकास की कुंजी रखा गया।
- पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा किचन गार्डनिंग के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. मंजु महता ने किचन गार्डन के फायदे बताए एवं सब्जी वैज्ञानिक डॉ. अवतार सिंह ने प्रतिभागियों को किचन गार्डनिंग करते समय बरती जाने वाली सावधानियां और उसमें उगाई जाने वाली सब्जियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

छात्र कल्याण निदेशालय

- छात्र कल्याण निदेशालय में लिपिक के पद पर कार्यरत ज्योति ने भुवनेश्वर (उड़ीसा) में आयोजित की गई चौथी राष्ट्रीय पैरा बेडमिंटन चैंपियनशिप में वूमन डब्लस पैरा बेडमिंटन में सिल्वर मेडल जबकि सिंगल पैरा बेडमिंटन प्रतियोगिता में ब्रांज मेडल हासिल किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने ज्योति की इस उपलब्धि पर उसे बधाई व भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।
- छात्र कल्याण निदेशालय ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न सांस्कृतिक व लिटरेरी गतिविधियों का ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यम से आयोजन किया। स्लोगन लेखान प्रतियोगिता में गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्रा रिया ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं एक्सटेम्पोर स्पीच प्रतियोगिता में कृषि महाविद्यालय की छात्रा अनु पंघाल ने पहला स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय की छात्रा श्वेता ने कविता गायन प्रतियोगिता में प्रथम और नृत्य गायन में होम सांइस की नेहा ने बाजी मारी।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय

- मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय ने गैर शिक्षक कर्मचारियों की कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए 11 जनवरी से 19 फरवरी तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस प्रशिक्षण में विश्वविद्यालय के सभी विभागों से 200 कर्मचारी शामिल हुए। इस दौरान कर्मचारियों को हरियाणा सामान्य सेवा नियम, विश्वविद्यालय के एक्ट एवं स्टेच्यू, इनकम टैक्स नियम, जैम व ई-टेंडरिंग, यात्रा भत्ता नियम इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम का पांच चरणों में आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कर्मचारियों कर्मचारियों का ज्ञान व कौशल बढ़ाने में प्रशिक्षणों का महत्वपूर्ण रोल रहता है।
- मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय ने 9 से 15 फरवरी तक गवर्नमेंट ई-मार्केट विषय पर प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के भण्डारण एवं क्रय के निदेशक डॉ. राजेश गेरा मुख्यातिथि थे। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए बताया कि गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस नामक एक पोर्टल है जिसका सक्षिप्त नाम जैम है और जनरल फाइनेंशियल रूल्स 2017 के तहत सरकारी कार्यालयों में अधिकतर सामान की खरीरदारी इसी प्लेटफार्म के माध्यम से अनिवार्य कर दी गई। उन्होंने कहा कि जैम के माध्यम से एक ओर जहां पैसे की बचत होती है वहीं दूसरी ओर पारदर्शिता आती है। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. अतुल ढ़ींगड़ा ने निदेशालय की गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

विस्तार शिक्षा निदेशालय

- विस्तार शिक्षा निदेशालय ने फार्मर फर्स्ट परियोजना के तहत गांव चिड़ोद में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में किसानों को गेंहू में खरपतवार नियंत्रण व बीमारियों की रोकथाम की जानकारी दी गई। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह के मार्गदर्शन में यह परियोजना चलाई जा रही है। इस दौरान किसानों को खरपतवार की पहचान व उनकी रोकथाम के उपायों के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में लगभग 60 किसानों व कृषि वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

कैंपस स्कूल

- कैंपस स्कूल में 73वां गणतंत्र दिवस बड़ी धूमधाम से बनाया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बतौर मुख्यातिथि रहे। उन्होंने सभी उपस्थित गणों को शुभकामनाएं दी और कहा कि यह पर्व हमें हमारे शहीदों के संघर्षों व उनकी गौरवगाथा की याद दिलाता है।

एचएयू ई-ट्रैक्टर पर अनुसंधान करने वाला पहला विश्वविद्यालय बना

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर पर अनुसन्धान करने वाला देश का पहला कृषि विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह ई-ट्रैक्टर 23.17 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार से चल सकता है व 1.5 टन वजन के ट्रेलर के साथ 80 किलोमीटर तक का सफर कर सकता है। यह ट्रैक्टर 16.2 किलोवाट की बैटरी से चलता है और डीजल ट्रैक्टर की तुलना में इसकी संचालन लागत बहुत कम है।

ये है ट्रैक्टर की खासियत

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि ई-ट्रैक्टर के परफॉरमन्स की बात की जाए तो इसमें 16.2 किलोवाट आवर की लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल किया गया। इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर के संचालन की लागत के हिसाब से यह डीजल ट्रैक्टर के मुकाबले में 32 प्रतिशत और 25.72 प्रतिशत तक सस्ता है। उनके अनुसार डीजल के बढ़ते हुये दामों को देखते हुये यह ट्रैक्टर किसानों के लिए काफी किफायती साबित होगा जिससे उनकी आदमनी में भी इजाफा होगा। यह अनुसंधान उपलब्धि कृषि मशीनरी और फार्म इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिक एवं वर्तमान निदेशक, उत्तरी क्षेत्र -कृषि मशीनरी परीक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान, हिसार डॉ. मुकेश जैन के मार्गदर्शन में प्राप्त की गई है। कुलपति ने वैज्ञानिकों की इस नई खोज की प्रशंसा की और भविष्य में इसी प्रकार किसान हितैषी अनुसंधान करने पर जोर दिया।

फीडबैक

मीडिया एडवाइज़र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार- 125 004

दूरभाष : 01662-284330, 289307

ई-मेल : mediaadvisorhau@gmail.com / prohaunews@gmail.com

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

हिसार- 125 004 (हरियाणा), भारत

(1970 की संसदीय अधिनियम संख्या 16 द्वारा संस्थापित)

दूरभाष : 01662-237720-21, 289502-10

वेबसाईट : www.hau.ac.in

Published by Media Advisor on behalf of CCS Haryana Agricultural University, Hisar. Printed at : Dorex Offset, Hisar Mob. 98960-11117